No. of Printed Pages : 4

MSK–003

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम. एस. के.-003 : दर्शन : न्याय, वैशेषिक, वेदान्त, सांख्य और मीमांसा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(ii) प्रश्न-पत्र ***तीन*** *खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए निर्देशां के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×10=30

(क) भारतीय दर्शन पर आरोपित आक्षेपों एवं उनके निराकरण का विस्तृत विवेचन कीजिए।

अथवा

नास्तिक दर्शनों पर एक निबन्ध लिखिए।

(ख) वेदान्त दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का निरूपण कीजिए।

अथवा

बौद्ध दर्शन के योगाचार विज्ञानवाद सम्प्रदाय का आलोचनात्मक उल्लेख कीजिए।

(ग) छः आस्तिक दर्शन कौन-कौन से हैं ? विस्तारपूर्वक बताइये।

अथवा

आत्मा के स्वरूप पर निबन्ध लिखिए।

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

$4 \times 10 = 40$

(क) चक्षुर्मात्रग्राह्यो गुणो रूपम्। तच्च शुक्ल-नील-पीत-रक्त-हरित-कपिष-चित्रभेदात सप्त-विधम्। पृथ्वीजलतेजो वृत्ति। तत्र प्रथिव्यां सप्तविधम्। अभास्वरशुक्लं जले। भास्वरशक्लं तेजसि।

अथवा

प्राच्यादिव्यवहारहेतुः दिक्। स चैका नित्या विश्वी च।

(ख) सर्वव्यवहारहेतुर्गुणो बुद्धिर्ज्ञानम्। सा द्विविधास्मृतिरनुभवश्च।

अथवा

आप्तवाक्यं शब्दः। आप्तस्तयर्थायवक्ता। वाक्यं पदसमूहं। यथा 'गामानय' इति। शक्तं पदम्। अस्मात्पदादयमर्थो बोद्धव्य इतिश्वरेच्छासंकेतः शक्तिः।

(ग) सव्यभिचार विरुद्धसप्प्रतिपक्षासिद्धबाधिताः पञ्च हेत्वाभासाः।

अथवा

प्रमाणान्तरावगतार्थ बोधकोऽर्थ वादोऽनुवादः।

(घ) वेदप्रतिपाद्यत्वे प्रयोजनत्वे च सत्यर्थत्व धर्मत्वमिति धर्मलक्षणमपन्नम्।

अथवा

इत्येष प्रकृतिकृतो महदादि विशेषभूत पर्यन्तः।

प्रति पुरुषविमोज्ञार्थं स्वार्थं इव परार्थ आरम्भः॥

खण्ड—ग

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 5×6=30

(क) अनुबन्धचतुष्टय

(ख) अध्यारोप

(ग) महावाक्यार्थ विचार

(घ) अज्ञान

(ङ) सृष्टि प्रक्रिया

(च) समाधि

(छ) उपमान प्रमाण